राँची नगर निगम अंतर्गत स्वयं सहायता समूह की सफलता की कहानी।

नाम– सेहरा खातुन
पति– स्व० असलम अली
आवासीय पता– बड़गाई पोस्ट लेम, वार्ड सं०–5, बड़गाई, बरियातु, राँची।

मैं आज भी वो दिन नहीं भूल सकती हूँ जब मेरा बेटा तीन साल का था और अचानक एक बड़ा हादसे से मेरे पति की मृत्यु हो गई, और मैं बेसहारा हो गई। चूंकि मैं तीसरी कक्षा तक ही पढ़ाई की थी और मुझे किसी काम का हुनर नहीं था, जो काम कर के अपनी जिंदगी गुजार सकती इसलिए मैं बहुत कम पूंजी से मैं घर–घर जाकर चूड़ी बेचने लगी इसी बीच राँची नगर निगम के DAY-NULM योजनाओं की जानकारी मेरे क्षेत्र की एक समूह की दीदी ने मुझे देते हुए बताई के तुम भी राँची नगर निगम में समूह बनाकर जुड़ जाओ और सरकारी योजना का लाभ लेकर अपने आर्थिक स्थिति को बेहतर बना सकती हो मुझे दीदी की यह बात सही लगी और मैं अपने हीं आवासीय क्षेत्र बड़गाई में समूह बनाई नगर निगम से जुड़ कर समूह का संचालन करने लगी।

अब मैं पहले से खुद को सशक्त महसूस करने लगी क्योंकि अब हमे सरकारी योजना की ससमय जानकारी मिलने लगी और हमारे समूह को जन वितरण प्रणाली दुकान मिला इसके बाद हम सभी समूह की दीदी मिलकर (PDS) दुकान चलाने लगी।

परन्तु मेरे पास पुंजी की कमी आज भी थी फिर मैंने राँची नगर निगम के DAY-NULM के SEP-I घटक का फार्म भरकर अपने वार्ड–05 की सामुदायिक संगठनकर्ता (खुशनुमा दीदी) को दी। क्योंकि मेरे समूह को 50,000/– (पचास हजार रुपये) ऋण (PDS) दुकान के लिए चाहिए था, इस हेतु मैंने ऋण के लिए आवेदन निगम कार्यालय में दी जिसके बाद मेरे ऋण से संबंधित दस्तावेजों को जिला अग्रहणी प्रबंधक द्वारा स्वीकृत करके बैंक से ऋण दिलाया गया और मैं ऋण लेकर अपनी दुकान को बढ़ाई और इस सरकारी योजना का लाभ मुझे मिला और आज समय–समय पर बैंक को ऋण वापसी कर रही हूं और अपनी (PDS दुकान चला रही हूं।

मैं राँची नगर निगम के DAY-NULM अंतर्गत SEP-I घटक योजना का धन्यावद देना चाहूंगी कि नगर निगम द्वारा प्राप्त ऋण से मैं सशक्त बनी एवं मेरी जैसी बेसहारा लोगो का रोजगार मिल रहा है और आज मैं समूह के साथ जुड़कर DAY-NULM योजना से काफी खुश हूँ।